

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

B.M.S COLLEGE FOR WOMEN, AUTONOMOUS
BENGALURU – 560004
SEMESTER END EXAMINATION – MARCH/APRIL- 2023

B.A - III Semester

HINDI LANGUAGE - SHRESHTHA NIBANDH AUR ANUVAD KALA

Course Code: BA3AECHI03

Duration: 2 ½ Hours

QP Code: 3111

Max. Marks: 60

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए । (10X1=10)

1. पुराने आर्यों ने प्रवाह को क्या माना है ?
2. कवियों ने हीरा, मोती और माणिक की उपमा किससे की है ?
3. सामाजिक जीवन में किसकी ज़रूरत बराबर पड़ती है ?
4. संसार में बहुत से अभिमान का उपचार किसके द्वारा हो जाता है?
5. 'देवदारु' निबन्ध के रचयिता कौन हैं?
6. किससे हमारा मानस तृप्त होता है?
7. अपनी वृत्तियों को वश में करने के दो उपायों को किस में बताया गया है ?
8. शिव जी के शिष्य का नाम लिखिए ?
9. जली रेतीली किसका विभ्रम अभिशाप है ?
10. लेखक ने पहला सफेद बाल कहाँ देखा ?

II. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो का संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । (2X7=14)

1. “बड़े से बड़े मनस्वी, तपस्वी, संयमी, न्यायशील सब रुपये के लिए तपस्या इत्यादि से हाथ धो बैठते हैं।”
2. “मिस्सी तथा पान से रंगे अथवा यों ही चमकदार चटकीले दांत जिस समय हँसने से दृष्टि में आते हैं उस समय रसिकों के नयन और मन इतने प्रमुदित हो जाते हैं कि जिसका वर्णन गूँगे की मिठाई है।”
3. “लगने-लगने में भी भेद है। जो सबको लगे वह अर्थ है, जो एक को लगे वह अनर्थ है।”

III. निम्नलिखित निबन्धों में से किसी एक का सारांश विशेषताओं सहित लिखिए। (1X16=16)

1. गेहूँ बनाम गुलाब ।
2. पहला सफेद बाल।

IV. अनुवाद की परिभाषा लिखते हुए उसके स्वरूप को समझाइए।
(1X10=10)

(अथवा)

अनुवाद की समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

V. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।)10)

In the world, there is hardly anyone who has not faced hardships in his life. People who have faced the hurdles of life and overcome them, make progress and are safer than those who have never faced them. Sometimes we feel hopeless in times of failures. Everybody faces such situations in life but the one who faces the difficulties firmly, succeeds in the end. Someone has truly said, "Life is a struggle." In life, sometimes, we get joys of victory and sometimes sorrows of defeat. It depends on us as to how we face them, because victory cannot be achieved without struggle. The man who continuously struggles succeeds in his life.
